Total Pages : 8

# 2382/P

## II Year Arts Examination, 2016

## HINDI LITERATURE

Paper–II

**( गद्य )**

Time : Three Hours
Maximum Marks : 100

**PART - A ( खण्ड-अ )** [Marks : 20

Answer all questions (50 words each).
All questions carry equal marks.
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर पचास शब्दों से अधिक न हो।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

**PART - B ( खण्ड-ब )** [Marks : 50

Answer *five* questions (250 words each).
Selecting *one* from each unit. All questions carry equal marks.
प्रत्येक इकाई से **एक-एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए।
प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

**PART - C ( खण्ड-स )** [Marks : 30

Answer any *two* questions (300 words each).
All questions carry equal marks.
कोई **दो** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

## खण्ड-अ

**1. निम्न प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए :**

**( इकाई-I )**

**(i)** पंच परमेश्वर पाठ के आधार पर पंच संस्कार और पंचत्रगंगा का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

**(ii)** 'हार की जीत' कहानी में अंत में किसकी जीत होती है?

**( इकाई-II )**

**(iii)** हजारी प्रसाद द्विवेदी जी के चार निबंध संग्रहों के नाम लिखिए।

**(iv)** दिनकर जी की चार काव्य कृतियों के नाम लिखिए।

## ( इकाई-III )

(v) 'घीसू किसानों से कहीं ज्यादा विचारवान था' कफन कहानी के आधार पर लेखक के इस कथन का क्या तात्पर्य है?

(vi) 'दुखवा मैं कासे कहूं मोरी सजनी' कहानी का उद्देश्य बताइये।

## ( इकाई-IV )

(vii) 'जब एक बार लोगों को डर जकड़ लेता है और भगदड़ पड़ जाती है, तब फिजा ही कुछ और हो जाती है।' शरणदाता कहानी में किसने किससे कहा?

(viii) 'जब मालिक ही न रहा, तो काहे को हड़कंप उठांऊ।' गदल कहानी में किसने किससे कहा?

## ( इकाई-V )

(ix) 'बाणभट्ट की आत्मकथा' के लेखक कौन है?

(x) द्विवेदी युग के चार आलोचकों के नाम लिखिए।

## खण्ड-ब

## ( इकाई-I )

**निम्नलिखित गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :**

2. कैसे ऊँचे विचार हैं, कैसा पवित्र भाव है। उनहें इस घोड़े से प्रेम था। इसे देखकर उनका मुख फूल की नाईं खिल जाता था। कहते थे, इसके बिना न सकूँगा। इसकी रखवाली में कई रातें सोये नहीं। भजन भक्ति न कर रखवाली करते रहे! परन्तु आज उनके मुख पर दुख की रेखा तक न देख पड़ती थी। उन्हें केवल यह ख्याल था कि लोग गरीबों पर विश्वास करना न छोड़ दें। उन्होंने निज की हानि को मनुष्यत्व की हानि पर न्यौछावर कर दिया।

**अथवा**

3. गहरेबाज एक्का 'कैपिटलिस्ट' समुदाय का प्रतिनिधि है। ऐसे एक्कों के घोड़े महाजनों के समान मोटे, चापलूसों के समान ताबेदार और पूँजीपतियों के समान अकड़ने वाले होते हैं। इनके एक्केवान अफलातून के अब्बा और सुकरात के बाबा से अपने को कम नहीं समझते। जिस समय ऐसे दो-तीन एक्के एक साथ दौड़ने लगते हैं, उस समय यदि आप सवार हों, तब बीमा कम्पनियों की उपयोगिता सूझने लगती है।

**( इकाई-II )**

4. ''यात्रा का रोमांस'' निबंध में लेखक ने यायावर के गुण बताते हुए कोल्हाई ग्लेशियर की यात्रा का वर्णन किया है। कथन के आधार पर निबंध का सारांश लिखिए।

**अथवा**

5. 'कबीर साहब से भेंट' में अभिव्यक्त दिनकर जी के विचारों को स्पष्ट कीजिए।

## ( इकाई-III )

6. 'खुदाराम' कहानी का उद्देश्य बताते हुए कथानक को स्पष्ट कीजिए।

**अथवा**

7. आकाशदीप की नायिका का चरित्र चित्रण करते हुए कहानी का उद्देश्य बताइये।

## ( इकाई-IV )

8. आद्रा कहानी का उद्देश्य बताते हुए वचन का चरित्र चित्रण कीजिए।

**अथवा**

9. तीसरी कसम कहानी के नायक का चरित्र चित्रण कीजिए।

## ( इकाई-V )

10. हिन्दी निबंध के विकास पर आलेख लिखिए।

**अथवा**

11. हिन्दी उपन्यास के विकास क्रम को समझाइये।

## खण्ड-स

## ( इकाई-I )

12. 'पंच परमेश्वर' में मिश्र जी ने पंच का महत्त्व प्रतिपादित किया है। पठि निबंध के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

## ( इकाई-II )

13. मेरी जन्मभूमि निबंध में अभिव्यक्त द्विवेदीजी के विचारों को स्पष्ट कीजिए।

## ( इकाई-III )

14. कफन कहानी का उद्देश्य बताते हुए घीसू का चरित्र-चित्रण कीजिए।

## ( इकाई-IV )

15. गदल कहानी की कहानी के तत्त्वों के आधार पर समीक्षा कीजिए।

## ( इकाई-V )

16. हिन्दी कहानी के विकास को समझाइये।